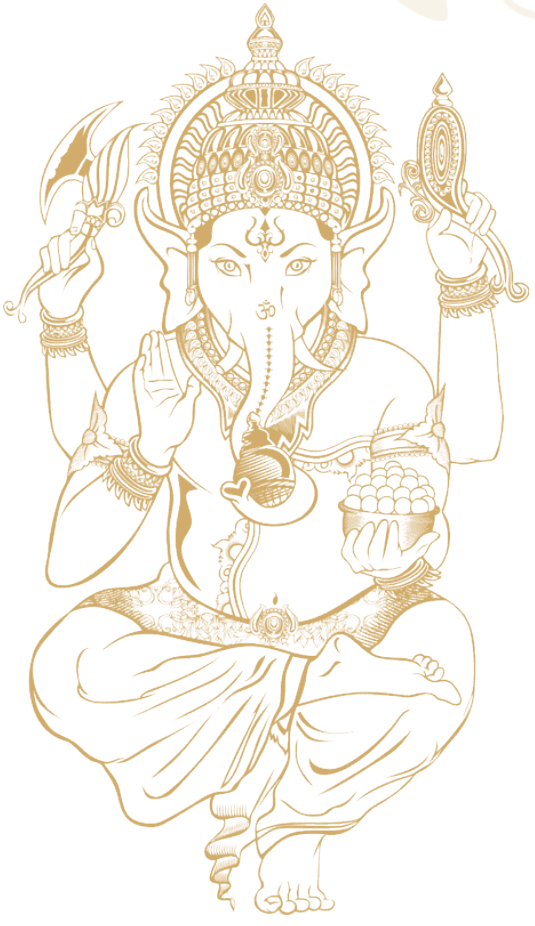

Vibhor jaipur

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121875504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/06/1992	जन्म तिथि	12/09/1998
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 14:00:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 21:08:37	जन्म समय(घटी)	31:13:12 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Kota
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:33	सूर्योदय	06:10:53
19:21:25	सूर्यास्त	18:33:42
23:45:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 12वर्ष 8मा 27दि		20:42:55	कन्या	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि	
शुक्र		29:46:21	वृष	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु	
12/03/2012		20:00:22	वृश्चि	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009	
12/03/2032		06:00:55	मेष	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027	
शुक्र	12/07/2015	15:16:33	मिथु	बुध	सिंह	14:01:36	राहु	09/10/2011
सूर्य	12/07/2016	13:42:20	सिंह	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु	04/03/2014
चन्द्र	12/03/2018	29:57:18	वृष	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि	08/01/2017
मंगल	13/05/2019	24:30:18	मक व	शनि व	मेष	09:08:01	बुध	28/07/2019
राहु	12/05/2022	06:54:13	धनु व	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु	15/08/2020
गुरु	10/01/2025	06:54:13	मिथु व	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र	15/08/2023
शनि	12/03/2028	23:11:27	धनु व	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य	09/07/2024
बुध	11/01/2031	24:28:13	धनु व	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र	08/01/2026
केतु	12/03/2032	26:57:00	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

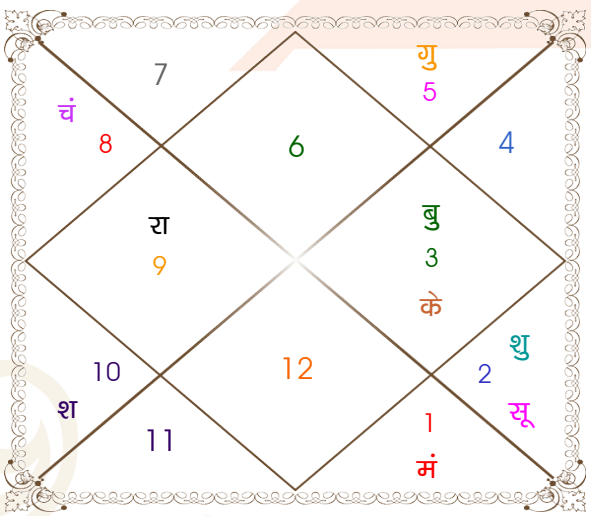

लग्न-चलित

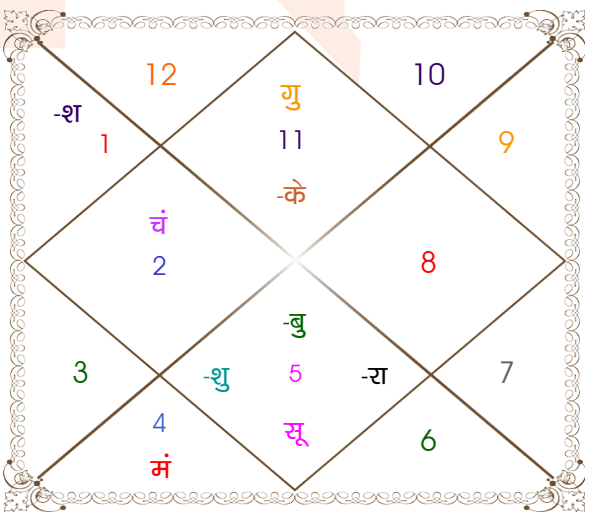

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

टपड़ीवत रंपचनत का वर्ग मृग है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार टपड़ीवत रंपचनत और V का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

टपड़ीवत रंपचनत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि V कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

टपड़ीवत रंपचनत तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।